हिन्दुस्तान एकता

राष्ट्रीय हिन्दी/साप्ताहिक

सूर्यास्त 06:48 | सूर्योदय 06:04
तापमान
अधिकतम 34° | न्यूनतम 20°

वर्ष: 07 | अंक: 13 | पृष्ठ: 04 | मूल्य: ₹1.00

info@hindustanekta.com

कैथल, वीरवार 4 जून, 2026

RNI-HRHIN/26/A1127

दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर के 6 मंजिला होटल में भीषण आग

आग बनी काल... 21 की दर्दनाक मौत

● मृतकों में अधिकांश विदेशी नागरिक, 40 लोगों का रेस्क्यू ● जान बचाने के लिए कई लोग तीसरी-चौथी मंजिल से कूदे

एजेंसी » नई दिल्ली

दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर स्थित छह मंजिला फ्लरिश स्टे होटल में बुधवार सुबह भीषण आग लगने से 21 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। मृतकों में अधिकांश विदेशी नागरिक बताए जा रहे हैं, जो मध्य एशिया और अफ्रीकी देशों से संबंधित हैं। हालांकि, मृत विदेशी नागरिकों की सटीक संख्या की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

जानकारी के अनुसार, आग सुबह करीब 8:50 बजे इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर स्थित रेस्टोरेंट में लगी और देखते ही देखते ऊपरी मंजिलों तक फैल गई। आग की लपटों और धुएं से घिरे लोगों में अफरा-तफरी मच गई। कई लोगों ने जान बचाने के लिए तीसरी और चौथी मंजिल से छलांग लगा दी। स्थानीय लोगों ने नीचे गद्दे बिछाकर बचाव कार्य में मदद की।

दिल्ली फायर सर्विस की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। दमकल कर्मियों ने करीब 40 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला, जबकि बेसमेंट में फंसे छह से अधिक लोगों को भी बचाया गया। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है।

होटल प्रेस एन्क्लेव रोड पर स्थित है, जिसके आसपास प्रमुख अस्पताल मौजूद हैं। यहां इलाज कराने आने वाले मरीजों के परिजन भी अक्सर ठहरते थे। प्रारंभिक जांच में आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस और अग्निशमन विभाग मामले की जांच कर रहे हैं।

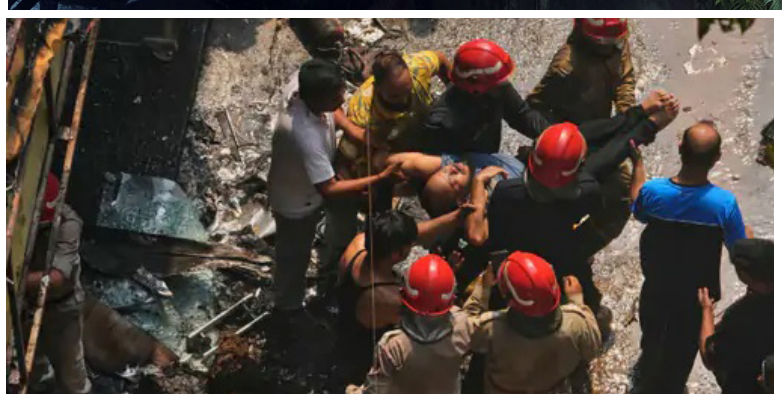

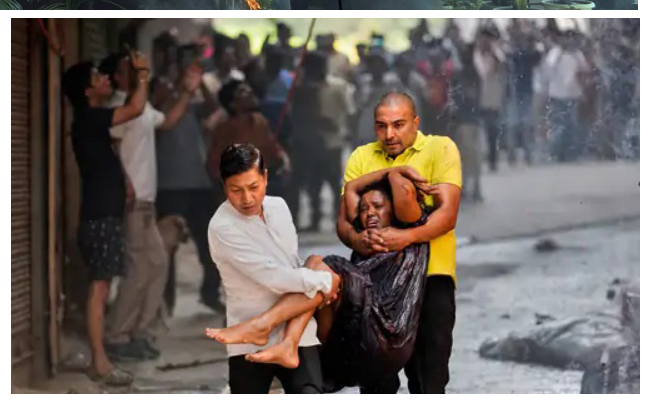

फ्लरिश स्टे होटल मालिक गिरफ्तार

दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लरिश स्टे होटल में हुए भीषण अग्निकांड के बाद होटल मालिक लवकेश बजाज को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया है। हादसे के बाद पुलिस जब लवकेश के घर पहुंची तो वह परिवार समेत गायब मिला। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया था। जांच के दौरान सामने आया कि होटल बिना वैध फायर एनओसी के संचालित हो रहा था। साथ ही क्षमता से अधिक कमरे चलाने और सुरक्षा मानकों की अनदेखी के आरोप भी लगे हैं। बुधवार को हुए इस भीषण अग्निकांड में 21 की मौत हो गई थी, जबकि कई घायल हुए थे। मृतकों में एक ही परिवार के 8 सदस्य भी शामिल हैं। पुलिस और संबंधित एजेंसियां मामले की विस्तृत जांच कर रही हैं।

8 की पहचान, 12 के जेंडर का नहीं चला कुछ भी पता

हादसे के दौरान कुछ लोग जान बचाने के लिए जलती हुई इमारत की तीसरी-चौथी मंजिल से कूदते नजर आए। इन्हें बचाने के लिए स्थानीय लोगों ने जमीन पर गद्दे भी बिछाए थे। मृतकों में 8 लोगों की पहचान हुई है। एक शव महिला का था, जिसका अभी तक नाम नहीं पता चल सका है। अन्य 12 लोगों के जेंडर या नाम का कुछ भी पता नहीं चला है।

- **रोलैंड,** उम्र-40 साल (महिला), लाइबेरिया से
- **त्शिपम्बाचिल,** उम्र- 40 साल, मोजाम्बिक से
- **अज्ञात,** उम्र-40 वर्ष (महिला), मैक्स अस्पताल में शव रखा है
- **अशोक,** उम्र- 56 साल
- **विवेक,** उम्र-47 साल
- **तुलकिनोव खपुमेयम,** उम्र- 40 साल
- **मखपिरत कोचकारौआ,** उम्र- 75 साल
- **प्रेम लता,** (महिला), उम्र-70 साल
- **कमला देवी** (महिला), उम्र-52 साल

आपकी आवाज हमारी ताकत

आप कोई सामाजिक, धार्मिक आयोजन, प्रेस कॉन्फ्रेंस या किसी संस्था से जुड़ी कोई खबर, खुला नाला है, पानी से भरा गड्ढा है, रोड टूटी या गड्ढे हैं, हादसे का खतरा है इत्यादि खबरें हमारे साथ साझा करना चाहते हैं तो अब दूर नहीं। आपको केवल खबर और खबर से जुड़े चुनिंदा दो फोटो कैप्शन के साथ भेजना होगा। आपकी खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

ऐसे भेजे

वॉट्सएप्प कर सकते हैं
9499422208
हमें QR स्कैन कर वेबसाइट पर भी भेज सकते हैं

न्यूज ब्रीफ

पेट्रोल-डीजल पर्याप्त, अफवाहों से बचें : वरिन्द्र सिंह

कैथल » जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक वरिन्द्र सिंह ने कहा कि जिले के सभी 176 पेट्रोल पंप सुचारू रूप से कार्यरत हैं तथा सभी पंपों पर पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की कि पेट्रोल-डीजल की कमी संबंधी अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी प्रकार का अफरा-तफरी का माहौल न बनाएं।

उन्होंने बताया कि जिले में पेट्रोल व डीजल की कालाबाजारी, जमाखोरी तथा अनाधिकृत प्रयोग को रोकने के लिए विभाग द्वारा लगातार जांच की जा रही है। साथ ही उपभोक्ताओं से अनुरोध किया गया है कि वे आवश्यकता अनुसार ही पेट्रोल-डीजल की खरीद करें तथा राष्ट्रहित को ध्यान में रखते हुए इनका अनावश्यक भंडारण न करें।

हथौड़े से वार कर मजदूर की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

कैथल » कैथल। थाना पूंडरी पुलिस ने हत्या के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए बिहार निवासी आरोपी उमेश दास को गांव पाई से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने गांव भाणा में गन्ना बंधाई के दौरान अपने साथी कामेश्वर दास की हथौड़े से वार कर हत्या कर दी थी। पुलिस के अनुसार 31 मई की रात पैसों और डायरी को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि उमेश दास ने हथौड़े से कामेश्वर दास के सिर और कमर पर कई वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि दोनों घटना के समय शराब के नशे में थे।

हॉलिडे पैकेज के नाम पर साइबर ठगी से रहें सावधान : एसपी

फर्जी वेबसाइट, सोशल मीडिया ऑफर और नकली ट्रैवल एजेंट बनाकर लोगों को बनाया जा रहा शिकार

कलासो देवी » कैथल

पर्यटन सीजन के दौरान ऑनलाइन हॉलिडे पैकेज, होटल बुकिंग और हवाई टिकट के नाम पर बढ़ रही साइबर ठगी को देखते हुए कैथल पुलिस ने आमजन के लिए विशेष एडवाइजरी जारी की है। पुलिस अधीक्षक मनप्रीत सिंह सूदन ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी ट्रैवल पैकेज या ऑनलाइन ऑफर पर भरोसा करने से पहले उसकी पूरी जांच-पड़ताल अवश्य करें।

एसपी ने बताया कि साइबर अपराधी सोशल मीडिया, व्हाट्सएप, फर्जी वेबसाइटों और ऑनलाइन विज्ञापनों के माध्यम से आकर्षक और बेहद सस्ते हॉलिडे पैकेज दिखाकर लोगों को अपने जाल में फंसा रहे हैं। ठग पहले एडवांस भुगतान प्राप्त करते हैं और बाद में मोबाइल नंबर बंद कर देते हैं या नकली टिकट एवं फर्जी होटल बुकिंग भेजकर लोगों को धोखा देते हैं।

उन्होंने कहा कि कई मामलों में साइबर अपराधी खुद को ट्रैवल एजेंट या टूर कंपनी का प्रतिनिधि बताकर लोगों से बैंक खाते, यूपीआई, कार्ड और अन्य वित्तीय जानकारी हासिल कर लेते हैं। फर्जी वेबसाइटों को इस तरह तैयार किया जाता है कि वे वास्तविक ट्रैवल कंपनियों जैसी दिखाई देती हैं, जिससे आम नागरिक आसानी से भ्रमित हो जाते हैं। एसपी मनप्रीत सिंह सूदन ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति के साथ साइबर ठगी होती है तो वह तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करे या साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज करवाए। समय पर दी गई सूचना पुलिस को साइबर अपराधियों तक पहुंचने और धनराशि बचाने में मदद करती है।

उन्होंने नागरिकों से साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने तथा इस एडवाइजरी को अधिक से अधिक लोगों तक साझा करने की अपील करते हुए कहा कि सतर्कता और जागरूकता ही साइबर ठगी से बचाव का सबसे बड़ा हथियार है।

हॉलिडे पैकेज के नाम पर ऐसे हो रही साइबर ठगी

- सोशल मीडिया पर सस्ते टूर पैकेज का लालच देकर एडवांस पेमेंट लेना।
- फर्जी वेबसाइट के माध्यम से होटल और फ्लाइट बुकिंग करवाना।
- नकली कस्टमर केयर नंबर के जरिए बैंकिंग जानकारी हासिल करना।
- सीमित समय के ऑफर या आखिरी सीट बची होने का झांसा देकर जल्दबाजी में भुगतान करवाना।
- फर्जी बुकिंग कन्फर्मेशन और नकली टिकट भेजकर धोखाधड़ी करना।

साइबर ठगी से बचने के लिए अपनाएं ये सावधानियां

- केवल विश्वसनीय और आधिकारिक ट्रैवल वेबसाइटों से ही बुकिंग करें।
- भुगतान से पहले एजेंसी के रिव्यू और रजिस्ट्रेशन की जांच करें।
- सोशल मीडिया विज्ञापनों पर भरोसा कर तुरंत भुगतान न करें। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक करने से बचें।
- ओटीपी, सीवीवी, बैंक डिटेल या कार्ड संबंधी जानकारी किसी के साथ साझा न करें।
- बुकिंग के बाद होटल और एयरलाइन से अलग से सत्यापन अवश्य करें।
- साइबर ठगी होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन या साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं।

कृषि यंत्रों पर 50% अनुदान के लिए 15 जून तक करें आवेदन

हिन्दुस्तान एकता » कैथल

फसल अवशेष प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने कृषि यंत्रों पर 50 प्रतिशत अनुदान योजना शुरू की है। डीसी अपराजिता ने बताया कि इच्छुक किसान 15 जून 2026 तक विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

उपनिदेशक कृषि डॉ. रविंद्र हुड्डा ने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए किसान का खरीफ और रबी 2025-26 सीजन के लिए 'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' पोर्टल पर पंजीकरण होना आवश्यक है। एक फैमिली आईडी से एक किसान एक मशीन के लिए आवेदन कर सकता है। सहायक कृषि अभियंता जगदीश मलिक के अनुसार आवेदक के नाम पिछले दो वर्षों में पराली जलाने की रेड एंट्री नहीं होनी चाहिए। आवेदन के साथ पैन कार्ड, ट्रैक्टर आरसी, पटवारी रिपोर्ट (छोटे व सीमांत किसानों के लिए) और स्वयं घोषणा पत्र अपलोड करना होगा। योजना के तहत सुपर एसएमएस, हैप्पी सीडर, स्मार्ट सीडर, सुपर सीडर, स्ट्रॉ बेलर, स्ट्रॉ रेक, रोटरी स्लेशर सहित विभिन्न कृषि यंत्रों पर अनुदान दिया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए किसान जिला परिषद भवन स्थित सहायक कृषि अभियंता कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

मतदाता सूची में जुड़ेंगे नए वोटर, हटेंगे मृत-स्थानांतरित मतदाताओं के नाम

अभियान की तैयारियों की डीसी ने की समीक्षा, 15 जून से घर-घर सर्वे शुरू

कलासो देवी » कैथल

डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अपराजिता ने विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की तैयारियों को लेकर निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) और सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (एईआरओ) की बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप अभियान को पूरी गंभीरता, पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ लागू करने के निर्देश दिए।

बैठक के बाद मीडिया को जानकारी देते हुए अपराजिता ने बताया कि पुनरीक्षण अभियान के तहत मृत और स्थानांतरित मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाएंगे, जबकि 1 जुलाई 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले पात्र युवाओं को मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। अभियान के लिए 5 से 15 जून तक अधिकारियों और कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद 15 जून से 14 जुलाई तक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर सर्वे करेंगे और मतदाता विवरण का सत्यापन करेंगे। डीसी के अनुसार जिले में चार विधानसभा क्षेत्र और 807 मतदान केंद्र हैं। जिले में करीब 8 लाख 28 हजार मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें लगभग 6.5 लाख मतदाताओं की मैपिंग पूरी हो चुकी है, जबकि करीब 1.07 लाख मतदाताओं की मैपिंग शेष है, जिसे घर-घर सर्वे के दौरान पूरा किया जाएगा। बैठक में सहायक आयुक्त (अंडर ट्रेनी) एडीसी सुशील कुमार, एसडीएम संजय कुमार, एसडीएम अजय हुड्डा, सीटीएम कैप्टन प्रमेश कुमार, डीआरओ चंद्रमोहन, चुनाव कानूनगो राजकुमार सहित तहसीलदार और नायब तहसीलदार मौजूद रहे।

अपील: सही और पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएं

उन्होंने नागरिकों से अपील की कि बीएलओ के सर्वे के दौरान सही और पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएं। साथ ही परिवार या आसपास के मृत, स्थानांतरित अथवा अयोग्य मतदाताओं की जानकारी दें तथा पात्र युवाओं का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने में सहयोग करें। राजनीतिक दलों से भी बूथ लेवल एजेंट-2 (बीएलए-2) की नियुक्ति जल्द पूरी करने का आग्रह किया, ताकि पुनरीक्षण प्रक्रिया अधिक प्रभावी और पारदर्शी बन सके।

पीएम सूर्य घर योजना में 1.10 लाख तक का अनुदान

हिन्दुस्तान एकता » कैथल

डीसी अपराजिता ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना संचालित की जा रही है, जिसके तहत घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाने के लिए आकर्षक अनुदान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस योजना से न केवल बिजली बिल में राहत मिलेगी, बल्कि अतिरिक्त बिजली बेचकर आय भी अर्जित की जा सकेगी।

केंद्र सरकार का अनुदान सभी आय वर्गों के लोगों के लिए उपलब्ध है और इसके लिए आय संबंधी कोई शर्त नहीं है। योजना के तहत सोलर पैनल से उत्पादित अतिरिक्त बिजली को सरकार खरीदेगी, जिससे उपभोक्ताओं को अतिरिक्त आय भी होगी। यह योजना ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे पर्यावरण प्रदूषण कम होगा और लोगों को अक्षय ऊर्जा स्रोत अपनाने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

पीएम सूर्य घर योजना के प्रमुख लाभ...

अंत्योदय परिवार (आय 1.80 लाख से कम)

- 2 किलोवाट सोलर पैनल पर केंद्र सरकार से 60 हजार रुपये
- हरियाणा सरकार से 50 हजार रुपये
- **कुल अनुदान :** 1.10 लाख रुपये

आय 3 लाख रुपये तक वाले परिवार

- 2 किलोवाट सोलर पैनल पर केंद्र सरकार से 60 हजार रुपये
- हरियाणा सरकार से 20 हजार रुपये
- **कुल अनुदान :** 80 हजार रुपये

3 किलोवाट सोलर पैनल पर

- केंद्र सरकार से 78 हजार का अनुदान

योजना के अन्य फायदे

- बिजली बिल लगभग शून्य होने की संभावना, अतिरिक्त बिजली सरकार खरीदेगी
- अतिरिक्त आय का अवसर
- स्वच्छ एवं पर्यावरण अनुकूल ऊर्जा को बढ़ावा, सभी आय वर्गों के लिए केंद्र सरकार का अनुदान उपलब्ध।

ज्योतिष महामंथन में वैदिक ज्ञान पर मंथन

हिन्दुस्तान एकता » पूंडरी

शहर के एक निजी होटल में ज्योतिष पुंज ग्लोबल फाउंडेशन के तत्वावधान में भव्य ज्योतिष महामंथन सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में देशभर से पहुंचे ज्योतिषाचार्यों, धर्मगुरुओं और विद्वानों ने ज्योतिष विज्ञान, ग्रहों के प्रभाव, कुंडली विश्लेषण और वैदिक उपायों पर विचार साझा किए। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अजय बाम्बी, आचार्य कृष्ण चंद्र शास्त्री, आचार्य सुरेश वशिष्ठ, ज्योतिषाचार्य शैलेंद्र पांडे, डीपी शास्त्री और आचार्य अश्विनी गौतम उपस्थित रहे, जबकि पूर्व डायरेक्टर एडवोकेट पीएल भारद्वाज विशिष्ट अतिथि रहे। सम्मेलन में मांगलिक दोष, कुंडली के विभिन्न भावों, ग्रहों के प्रभाव, यंत्र-मंत्र-तंत्र तथा तिथि गणना जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। एडवोकेट पीएल भारद्वाज ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज को वैदिक ज्ञान, संस्कृति और ज्योतिष विज्ञान से जोड़ने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों का सम्मान किया गया तथा आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों का आभार जताया। इस मौके पर महेंद्र पाल शास्त्री, रुचि सराफ, डॉ अरुण कुमार, डॉ कृष्ण शास्त्री, डॉ नरेश शर्मा, आचार्य सुदामा, आचार्य जयपाल शर्मा, प्रियंका शास्त्री, सीमा शर्मा भी मौजूद थे।

सुविचार

"हर अजनबी में एक सबक छिपा होता है, बस देखने की नज़र चाहिए।"

संपादकीय

डिजिटल युग में फेक न्यूज़ का बढ़ता खतरा

डिजिटल क्रांति ने सूचना के आदान-प्रदान को अत्यंत सरल और तेज़ बना दिया है। आज स्मार्टफोन और इंटरनेट के माध्यम से कोई भी व्यक्ति कुछ ही सेकंड में दुनिया भर की खबरों तक पहुंच सकता है। हालांकि, इस सुविधा के साथ एक गंभीर चुनौती भी उभरकर सामने आई है, जिसे फेक न्यूज़ या झूठी खबरों का प्रसार कहा जाता है। डिजिटल युग में फेक न्यूज़ समाज, लोकतंत्र और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा बन चुकी है।

फेक न्यूज़ ऐसी भ्रामक या झूठी जानकारी होती है जिसे जानबूझकर या अनजाने में सत्य के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, एक्स (पूर्व में ट्विटर), व्हाट्सऐप, इंस्टाग्राम और यूट्यूब ने सूचना प्रसार की गति को इतना बढ़ा दिया है कि किसी खबर की सत्यता की जांच होने से पहले ही वह लाखों लोगों तक पहुंच जाती है। कई बार लोग बिना पुष्टि किए संदेशों और वीडियो को आगे साझा कर देते हैं, जिससे गलत जानकारी तेजी से फैलती है।

फेक न्यूज़ का सबसे बड़ा प्रभाव समाज में भ्रम और अविश्वास पैदा करना है। झूठी खबरें लोगों की भावनाओं को भड़का सकती हैं, सामाजिक तनाव बढ़ा सकती हैं और सांप्रदायिक सौहार्द को नुकसान पहुंचा सकती हैं। कई मामलों में अफवाहों के कारण हिंसा, दंगे और कानून-व्यवस्था की समस्याएं भी उत्पन्न हुई हैं। इसके अतिरिक्त, चुनावों के दौरान फेक न्यूज़ मतदाताओं को प्रभावित कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर कर सकती है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी फेक न्यूज़ गंभीर परिणाम पैदा कर सकती है। कोविड-19 महामारी के दौरान कई झूठी जानकारियां और अप्रमाणित उपचार संबंधी दावे सोशल मीडिया पर वायरल हुए, जिससे लोगों में भ्रम की स्थिति उत्पन्न हुई। ऐसी गलत सूचनाएं लोगों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए प्रत्यक्ष खतरा बन सकती हैं।

फेक न्यूज़ के बढ़ते प्रसार के पीछे कई कारण हैं। इनमें डिजिटल साक्षरता की कमी, सनसनीखेज सामग्री के प्रति लोगों का आकर्षण, सोशल मीडिया एल्गोरिद्म और कुछ समूहों द्वारा जानबूझकर गलत जानकारी फैलाना प्रमुख हैं। अक्सर लोग किसी समाचार के स्रोत की जांच किए बिना उसे सच मान लेते हैं और आगे साझा कर देते हैं।

इस समस्या से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। सबसे पहले, नागरिकों को डिजिटल साक्षरता के प्रति जागरूक होना चाहिए और किसी भी समाचार पर विश्वास करने से पहले उसके स्रोत की जांच करनी चाहिए। मीडिया संस्थानों को तथ्यपरक और जिम्मेदार पत्रकारिता को बढ़ावा देना चाहिए। वहीं, सोशल मीडिया कंपनियों को फर्जी सामग्री की पहचान और रोकथाम के लिए प्रभावी तकनीकी उपाय अपनाने चाहिए। सरकारों को भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करते हुए गलत सूचना के खिलाफ उचित नीतियां लागू करनी चाहिए।

दो कौड़ी के लोग...

डॉ. प्रियंका सौरभ,
लेखिका

रील-शोहरत का लगा, अब तो ऐसा रोग।
लाज-शरम सब बेचते, वाह-वाह के लोग।।

लाइक-शेयर की भूख में, बेच रहे संस्कार,
प्रसिद्धि की चाह ने, तोड़े सब व्यवहार।
पाने सस्ती तालियाँ, करते गलत प्रयोग—
लाज-शरम सब बेचते, वाह-वाह के लोग।।

ज्ञान नहीं, बस शोर है, दिखता चारों ओर,
भीतर खालीपन लिए, बाहर मचता शोर।
सच की कीमत घट गई, झूठ हुआ उद्योग—
लाज-शरम सब बेचते, वाह-वाह के लोग।।

कपड़ों से पहचान का, करने लगे बयान,
चरित्रों की धूल पर, लिखते झूठा मान।
नंगेपन तक आ गए, ये कैसा दुर्योग—
लाज-शरम सब बेचते, वाह-वाह के लोग।।

'सौरभ' ये कैसा समय, कैसा यह बदलाव,
मर्यादा की शाख पर, सूख गया अब छाँव।
लाइक-शेयर में ढूँढते, जीवन का संयोग—
लाज-शरम सब बेचते, वाह-वाह के लोग।।

हिंदुस्तान एकता कार्यालय

प्रिय पाठकगण,
यदि आप हिन्दुस्तान एकता में अपनी कोई रचना, लेख, कविता, कहानी, ग़ज़ल, समीक्षा, संस्मरण, जीवनी, बाल स्तंभ व महिला स्तंभ आदि प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो हर महीने की 2, 9, 16, 23 तारीख तक इस ईमेल पर भेजें तथा देश के हर कोने तक अपनी आवाज को बुलंद करें।
ईमेल:
hindustanektaliterature@gmail.com

शौचालय के पास बैठा वो फौजी, और एसी में सोता हुआ हमारा ज़मीर...

आर.जे.रेखा
क्रिस्टल वॉयस
आकाशवाणी एफएम गोल्ड 100.1

ट्रेन अपनी रफ्तार से दौड़ रही थी। डिब्बे में लोग अपने-अपने संसार में खोए थे- कोई मोबाइल देख रहा था, कोई खाना खा रहा था, कोई चादर ओढ़कर सो चुका था। लेकिन उसी डिब्बे में शौचालय के पास फर्श पर एक जवान चुपचाप सिकुड़कर बैठा था। पीठ पर भारी बैग, लाल आंखें और चेहरे पर थकान की गहरी लकीरें। वह भारतीय सेना का एक जवान था। उसे अचानक सात दिन की इमरजेंसी छुट्टी मिली थी। घर से खबर आई थी कि मां की तबीयत बहुत खराब है। छुट्टी मिलते ही वह निकल पड़ा। न रिजर्वेशन का समय मिला, न सीट कन्फर्म हो सकी। टिकट तो था लेकिन सफर के लिए जगह नहीं थी।

उसने कई लोगों से विनती की कि उसका बैग कहीं रखवा दें या बैठने भर की थोड़ी जगह दे दें। लेकिन किसी ने अपने पैर समेटने की जरूरत नहीं समझी। किसी के पास बहाना था, किसी के पास समय नहीं था और किसी के पास संवेदना नहीं थी। तभी एक मां की नजर उस पर पड़ी।

उन्होंने उसे अपने पास बुलाया, अपनी सीट पर बैठाया और उसका सामान भी किसी तरह समायोजित कर लिया। फिर अपने टिफिन का खाना उसके साथ साझा किया। शायद उस पल जवान को सिर्फ बैठने की जगह नहीं मिली थी, उसे घर की खुशबू मिल गई थी।

कुछ देर बाद उसने अपनी मां को फोन किया। भरी हुई आवाज में बोला, मां, चिंता मत करना। रास्ते में मुझे आप जैसी ही एक आंटी मिल गई हैं। अब सफर आराम से कट जाएगा।

यह सुनकर उस मां की आंखें भी नम हो गईं।सफर के दौरान दोनों के बीच ढेर सारी बातें हुईं। जवान ने अपनी पोस्टिंग, अपने गांव और अपने सपनों के बारे में बताया। उसने बताया कि कैसे त्योहार, जन्मदिन, पारिवारिक खुशियां और कई बार दुख भी वह दूर रहकर झेलता है। उसने यह भी बताया कि फौजी की जिंदगी में छुट्टी मिलना भी किसी इनाम से कम नहीं होता। हम अक्सर सैनिकों को वर्दी में देखते हैं और भूल जाते हैं कि उस वर्दी के भीतर भी एक बेटा, एक पिता, एक भाई और एक इंसान होता है। वह भी अपनी मां की बीमारी पर बेचैन होता है। उसे भी घर पहुंचने की जल्दी होती है। उसे भी दर्द होता है जब अपने ही देश में उसे परायों जैसा व्यवहार मिलता है।

विडंबना यह है कि हम सोशल मीडिया पर सेना के सम्मान की बातें करते हैं, तिरंगे वाली तस्वीरें लगाते हैं और देशभक्ति के नारे लिखते हैं। लेकिन जब वही सैनिक हमारे सामने जरूरतमंद होकर खड़ा होता है तो हम अक्सर नजरें फेर लेते हैं।

सच्ची देशभक्ति सीमा पर जाकर लड़ने में ही नहीं है। सच्ची देशभक्ति उस सैनिक के लिए अपने दिल में जगह बनाने में है, जो हमारी सुरक्षा के लिए अपना घर, अपना आराम और कई बार अपना जीवन तक दांव पर लगा देता है।

अगली बार अगर ट्रेन, बस या किसी स्टेशन पर कोई फौजी भाई आपको परेशानी में दिखाई दे, तो उससे सिर्फ एक सवाल पूछिए—भाई, कुछ मदद चाहिए? हो सकता है आपकी दी हुई दो फीट जगह, एक बोतल पानी या दो मिनट की बातचीत उसके पूरे सफर की सबसे बड़ी राहत बन जाए। क्योंकि सम्मान केवल शब्दों से नहीं मिलता, सम्मान व्यवहार से मिलता है।

और याद रखिए, जिस देश में सैनिकों को जगह देने के लिए लोग अपने दिल खोलते हैं, वही देश वास्तव में मजबूत और महान बनता है।

किसी फौजी को सीट देना एहसान नहीं है, यह उस कर्ज की एक छोटी-सी किस्त है जिसे हम कभी पूरी तरह चुका नहीं सकते।

(यह लेखिका के निजी विचार है)

इस लेख को वेबसाइट पर पढ़ने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

भारत नेपाल सीमा विवाद के ऐतिहासिक-राजनीतिक आयाम

महेन्द्र तिवारी, भूतपूर्व वायुसैनिक, संप्रति राष्ट्रीय अभिलेखागार, नई दिल्ली में कार्यरत

भारत और नेपाल के मध्य सदियों पुराने ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक संबंध रहे हैं जो विश्व पटल पर एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। दोनों देशों के बीच लगभग 1751 किलोमीटर की लंबी खुली सीमा है। दोनों राष्ट्रों के नागरिक बिना किसी विशेष अनुमति पत्र के एक दूसरे के देश में अबाध रूप से आ जा सकते हैं, कार्य कर सकते हैं और व्यापार कर सकते हैं। पशुपतिनाथ और काशी विश्वनाथ जैसे पवित्र स्थल दोनों देशों की आस्था को एक समान सूत्र में बांधते हैं। इसके अतिरिक्त दोनों देशों के बीच अत्यंत प्रगाढ़ पारिवारिक और सामाजिक संबंध हैं। आर्थिक रूप से भी नेपाल अपने अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए मुख्य रूप से भारतीय बंदरगाहों पर निर्भर करता है। भारत नेपाल को पेट्रोलियम, खाद्यान्न, दवाइयाँ और बिजली जैसी आवश्यक वस्तुएँ निरंतर प्रदान करता है। वर्ष 1950 की शांति और मित्रता संधि दोनों देशों के संबंधों की आधारशिला है। इस संधि ने नेपाल के नागरिकों को भारत में रोजगार और निवास करने के वे सभी अधिकार दिए हैं जो किसी भारतीय नागरिक को प्राप्त हैं। भारतीय सेना में गोरखा सैनिक इसका एक गौरवशाली प्रमाण हैं जो दशकों से भारत की सुरक्षा के लिए अपना सर्वोच्च योगदान देते आए हैं। इतनी गहरी मित्रता और निर्भरता के बावजूद दोनों देशों के बीच सीमा से जुड़े कुछ संवेदनशील विषय समय समय पर कूटनीतिक तनाव का कारण बनते रहे हैं।

हाल ही में काठमांडू के महापौर बालेन्द्र शाह के एक वक्तव्य ने इस पुराने सीमा विवाद को फिर से चर्चा के केंद्र में ला दिया है। नेपाल की संसद और सार्वजनिक मंचों पर इस विषय ने एक नई बहस को जन्म दिया है। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि केवल भारत ने ही नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण नहीं किया है बल्कि नेपाल के लोगों ने भी कुछ स्थानों पर भारतीय भूमि का उपयोग किया है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि दोनों देशों को कूटनीतिक वार्ताओं, इतिहासकारों और सर्वेक्षण विशेषज्ञों की सहायता से इस विवाद का स्थायी समाधान खोजना चाहिए। नेपाल की राजनीति में जहाँ अक्सर राजनीतिक लाभ लेने के लिए भड़काऊ भावनाएं फैलाई जाती हैं, वहाँ एक लोकप्रिय युवा नेता द्वारा इस प्रकार का संतुलित और दोनों पक्षों की कमियों को स्वीकार करने वाला वक्तव्य आना एक अप्रत्याशित घटना थी। उनके इस बयान का नेपाल के भीतर कड़ा विरोध भी हुआ जिसके बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय को यह स्पष्टीकरण देना पड़ा कि महापौर का आशय सीमा पार खेती और स्थानीय निवासियों द्वारा भूमि के उपयोग से था न कि किसी राजनीतिक कब्जे से।

भारत और नेपाल के बीच मुख्य सीमा विवाद कालापानी, लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और सुस्ता क्षेत्रों को लेकर है। कालापानी क्षेत्र भारत के उत्तराखंड राज्य के पिथौरागढ़ जिले के पास स्थित है और सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह क्षेत्र भारत, नेपाल और तिब्बत के त्रिकोणीय भूभाग के पास स्थित है। वर्ष 1962 के युद्ध के बाद से भारत ने यहाँ अपनी सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की है। लिपुलेख दर्रा कैलाश मानसरोवर यात्रा के मुख्य मार्ग के रूप में भी जाना जाता है। इस विवाद की ऐतिहासिक जड़ें वर्ष 1816 की सुगौली संधि में निहित हैं जो ब्रिटिश शासकों और नेपाल के राजा के बीच हुई थी। इस संधि के अनुसार महाकाली नदी को दोनों देशों के बीच की पश्चिमी सीमा माना गया था। सारा विवाद इस बात पर केंद्रित है कि महाकाली नदी का वास्तविक उद्गम स्थल कौन सा है। नेपाल का दावा है कि नदी का उद्गम लिम्पियाधुरा से होता है जिसके आधार पर कालापानी और लिपुलेख उसके भूभाग का हिस्सा बन जाते हैं। दूसरी ओर भारत का स्पष्ट मानना है कि नदी का उद्गम कालापानी के पास से होता है और इसलिए यह पूरा क्षेत्र भारत का अभिन्न अंग है।

वर्ष 2020 में यह कूटनीतिक तनाव अपने चरम पर पहुँच गया था जब भारत ने धारचूला से लिपुलेख तक एक नई सड़क का निर्माण किया ताकि तीर्थयात्रियों को सुविधा हो सके। इसके प्रतिक्रिया स्वरूप नेपाल सरकार ने अपना नया राजनीतिक मानचित्र जारी कर दिया जिसमें कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को नेपाल का हिस्सा दर्शाया गया। इस कदम ने दोनों देशों के बीच राजनीतिक संवाद को लगभग रोक दिया था। नेपाल के कुछ नेताओं ने इस विवाद में ब्रिटेन और चीन के साथ संवाद करने की बात भी कही थी। भारत हमेशा से यह दृढ़तापूर्वक मानता रहा है कि भारत और नेपाल के बीच का सीमा विवाद पूरी तरह से एक द्विपक्षीय विषय है और इसमें किसी भी तीसरे पक्ष का हस्तक्षेप कतई स्वीकार नहीं किया जा सकता।

नेपाल के पूर्व कूटनीतिज्ञों और सीमा विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया है कि भारत और नेपाल के बीच लगभग 97 प्रतिशत सीमा का निर्धारण सफलतापूर्वक हो चुका है और केवल कुछ ही स्थानों पर सीमा स्तंभों की स्थिति को लेकर भ्रम है। सुस्ता क्षेत्र का विवाद गंडक नदी के मार्ग बदलने के कारण उत्पन्न हुआ है। नदियों के प्राकृतिक बहाव में परिवर्तन अक्सर सीमावर्ती क्षेत्रों में नई चुनौतियाँ पैदा करता है जिनका समाधान तकनीकी और सर्वेक्षण समितियों द्वारा किया जा सकता है। दोनों देशों के बीच संयुक्त सीमा कार्यसमूह पहले से ही इन विषयों पर कार्य कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति हो तो शेष 3 प्रतिशत विवादित सीमा का समाधान भी शांतिपूर्ण ढंग से किया जा सकता है।

वर्तमान भूराजनीतिक परिदृश्य में चीन का बढ़ता प्रभाव भी इस विवाद को जटिल बनाता है। चीन नेपाल में भारी मात्रा में आर्थिक निवेश कर रहा है और सड़क, रेल तथा अन्य आधारभूत ढांचों का निर्माण कर रहा है। भारत की सुरक्षा के लिए यह आवश्यक है कि नेपाल के साथ उसके संबंध मधुर बने रहें ताकि कोई अन्य देश इस कूटनीतिक दूरी का लाभ न उठा सके। नेपाल भी एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में भारत और चीन के बीच संतुलन बनाकर अपनी स्वतंत्र विदेश नीति का संचालन करना चाहता है।

(यह लेखक के निजी विचार है)

दोबारा एक बार फिर लौट रहे लोग लकड़ी की खाट पर

डॉ. सत्यवान सौरभ
कवि, सामाजिक विचारक एवं स्तंभकार, आकाशवाणी एवं टीवी पेनालिस्ट

एक समय था जब भारतीय घरों, आँगनों, चौपालों और खेतों में लकड़ी की खाट जीवन का अभिन्न हिस्सा हुआ करती थी। सुबह की चाय से लेकर रात की नींद तक, खाट केवल एक फर्नीचर नहीं बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक जीवन का केंद्र थी। लेकिन जैसे-जैसे आधुनिकता का प्रभाव बढ़ा, शहरीकरण ने गति पकड़ी और बाजार में नए-नए प्रकार के बेड, सोफा-कम-बेड तथा महंगे गद्दे आने लगे, खाट धीरे-धीरे घरों से गायब होने लगी। इसे पुरातन, ग्रामीण और पिछड़ेपन का प्रतीक मान लिया गया। परंतु समय का चक्र एक बार फिर घूम रहा है। आज लोग दोबारा लकड़ी की खाट की ओर लौट रहे हैं। यह वापसी केवल एक पारंपरिक वस्तु की वापसी नहीं है, बल्कि जीवन के प्रति बदलती सोच, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और प्रकृति के साथ संतुलन की तलाश का प्रतीक भी है।

भारतीय समाज में खाट का इतिहास बहुत पुराना है। इसे चारपाई, मंजी या खटिया जैसे नामों से भी जाना जाता है। लकड़ी के मजबूत ढाँचे और रस्सियों या पट्टियों से बुनी हुई यह संरचना सदियों तक भारतीय जीवन का आधार रही। गाँवों में चौपाल की पहचान खाटों से होती थी। परिवार के बुजुर्ग खाट पर बैठकर निर्णय लेते थे, किसान दिनभर के श्रम के बाद खाट पर विश्राम करते थे और बच्चे उसी पर खेलते-कूदते बड़े होते थे। यह केवल आराम का साधन नहीं थी बल्कि सामाजिक संवाद का मंच भी थी। आज भी ग्रामीण भारत में खाट पर बैठकर होने वाली चर्चाएँ लोकतांत्रिक संवाद की सबसे सहज और स्वाभाविक अभिव्यक्ति मानी जाती हैं।

पिछले कुछ दशकों में जीवनशैली में बड़े बदलाव आए। लोगों ने आधुनिक फर्नीचर को प्रगति और समृद्धि का प्रतीक मान लिया। बड़े-बड़े बेड, मोटे गद्दे और आकर्षक डिज़ाइन वाले फर्नीचर घरों की आवश्यकता बन गए। विज्ञापनों ने भी लोगों को यह विश्वास दिलाया कि आराम केवल महंगे गद्दों और आधुनिक बिस्तरों में ही संभव है। परिणामस्वरूप खाट धीरे-धीरे घरों से बाहर होती चली गई। लेकिन अब जब लोग स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं, बढ़ते तनाव और कृत्रिम जीवनशैली के दुष्प्रभावों का सामना कर रहे हैं, तब वे उन पारंपरिक विकल्पों को नए दृष्टिकोण से देखने लगे हैं जिन्हें कभी उन्होंने स्वयं ही त्याग दिया था।

लकड़ी की खाट की लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण स्वास्थ्य संबंधी लाभ हैं। आधुनिक जीवनशैली में कमर दर्द, गर्दन दर्द और रीढ़ से जुड़ी समस्याएँ तेजी से बढ़ी हैं। बहुत अधिक मुलायम गद्दों पर सोना कई लोगों के लिए असुविधाजनक साबित हुआ है। इसके विपरीत खाट का ढाँचा शरीर को संतुलित सहारा देता है। रस्सियों से बुनी खाट शरीर के भार को समान रूप से वितरित करती है, जिससे रीढ़ पर अनावश्यक दबाव कम पड़ता है। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी अनेक बुजुर्ग वर्षों तक खाट पर सोने के कारण बेहतर शारीरिक स्थिति में दिखाई देते हैं। यद्यपि हर व्यक्ति की स्वास्थ्य आवश्यकताएँ अलग होती हैं, फिर भी खाट को प्राकृतिक और संतुलित विश्राम का साधन माना जाता है।

गर्म जलवायु वाले भारत में खाट की उपयोगिता और भी अधिक है। फोम और स्प्रिंग वाले गद्दे अक्सर शरीर की गर्मी को रोक लेते हैं, जिससे गर्मियों में असुविधा बढ़ जाती है। इसके विपरीत खाट के नीचे और ऊपर दोनों ओर से हवा का प्रवाह बना रहता है। यह प्राकृतिक वेंटिलेशन शरीर को ठंडक प्रदान करता है और नींद की गुणवत्ता में सुधार करता है। बिजली की बढ़ती खपत और एयर कंडीशनर पर निर्भरता के इस दौर में खाट का यह गुण विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी खाट का महत्व बढ़ रहा है। आज दुनिया टिकाऊ विकास और पर्यावरण संरक्षण की बात कर रही है। आधुनिक फर्नीचर उद्योग में प्लास्टिक, सिंथेटिक फोम और रासायनिक पदार्थों का व्यापक उपयोग होता है, जिनका पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसके विपरीत लकड़ी और प्राकृतिक रस्सियों से बनी खाट अपेक्षाकृत पर्यावरण-अनुकूल होती है। यह लंबे समय तक चलती है, आसानी से मरम्मत की जा सकती है और इसके अधिकांश हिस्से पुनर्चक्रित या प्राकृतिक रूप से नष्ट हो सकते हैं। ऐसे समय में जब लोग पर्यावरण के प्रति अधिक संवेदनशील हो रहे हैं, खाट उन्हें एक टिकाऊ विकल्प के रूप में दिखाई देने लगी है। खाट की वापसी का एक कारण आर्थिक भी है। महंगे फर्नीचर और ब्रांडेड गद्दों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। दूसरी ओर, स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाई गई खाट अपेक्षाकृत सस्ती और टिकाऊ होती है। ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में आज भी खाट कम लागत में उपलब्ध है। यह वर्षों तक उपयोग में आ सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसकी रस्सियाँ बदलकर उसे फिर नया बनाया जा सकता है। इस प्रकार खाट केवल सांस्कृतिक विरासत नहीं बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी व्यवहारिक विकल्प है।

दिलचस्प बात यह है कि खाट की वापसी केवल ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। बड़े शहरों में भी लोग इसे नए रूप में अपना रहे हैं। इंटीरियर डिज़ाइनरों ने पारंपरिक खाट को आधुनिक सौंदर्यबोध के साथ प्रस्तुत करना शुरू किया है। आज कई घरों में खाट को बालकनी, गार्डन, टैरेस या लिविंग स्पेस में सजावटी और उपयोगी वस्तु के रूप में रखा जा रहा है। रिसॉर्ट, कैफ़े और होमस्टे भी अपने परिसर में खाट का उपयोग कर रहे हैं ताकि ग्राहकों को देसी और पारंपरिक अनुभव मिल सके। यह दिखाता है कि परंपरा और आधुनिकता का मेल किस प्रकार संभव है। सोशल मीडिया ने भी खाट की लोकप्रियता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज सस्टेनेबल लिविंग, स्लो लाइफ, देसी लाइफस्टाइल और रूट्स की ओर वापसी जैसे विषय युवाओं के बीच लोकप्रिय हो रहे हैं। लोग अपने घरों और फार्महाउसों में खाट के साथ तस्वीरें साझा करते हैं। अनेक युवा, जो कभी खाट को केवल गाँवों की वस्तु मानते थे, अब उसे जीवनशैली और पहचान का हिस्सा समझने लगे हैं।

(यह लेखक के निजी विचार है)

दुनिया की सबसे बड़ी आबादी, अब प्रबंधन की सबसे बड़ी चुनौती

आशिस पोद्दार
पत्रकार

दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश के रूप में भारत की स्थिति अब अंतरराष्ट्रीय चर्चा के केंद्र में है। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय जनसंख्या आंकड़ों के अनुसार, भारत की आबादी वर्तमान में लगभग 146 करोड़ के करीब पहुंच चुकी है। इसके मुकाबले चीन की जनसंख्या लगभग 141 करोड़ और अमेरिका की लगभग 34 करोड़ है। अर्थात दुनिया की सबसे बड़ी आबादी का भार अब भारत के कंधों पर है।

विशेषज्ञों के अनुसार, भारत के सामने अब मुख्य प्रश्न केवल जनसंख्या वृद्धि का नहीं है, बल्कि इस विशाल आबादी के लिए खाद्य, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, आवास और रोजगार के अवसर किस हद तक सुनिश्चित किए जा सकते हैं, यही सबसे बड़ी चुनौती बन चुका है। क्योंकि जनसंख्या बढ़ने के साथ-साथ संसाधनों पर दबाव और विकास योजनाओं की जटिलता भी बढ़ती जाती है। अर्थशास्त्रियों का एक वर्ग मानता है कि भारत की विशाल युवा आबादी देश की सबसे बड़ी ताकत है। आने वाले वर्षों में कामकाजी आयु वर्ग के लोगों की संख्या उच्च स्तर पर बनी रहेगी। यदि इस मानव संसाधन को कौशल आधारित प्रशिक्षण और रोजगार से जोड़ा जा सके, तो यह आर्थिक विकास को नई गति दे सकता है। लेकिन पर्याप्त रोजगार के अवसर नहीं बनने पर यही जनसांख्यिकीय लाभ भविष्य में एक बड़े दबाव का कारण भी बन सकता है।

खाद्य सुरक्षा का मुद्दा भी लगातार महत्वपूर्ण होता जा रहा है। कृषि भूमि में कमी, जलवायु परिवर्तन का प्रभाव, भूजल पर बढ़ती निर्भरता और कृषि उत्पादन से जुड़ी अनिश्चितताएं भविष्य के लिए चिंता पैदा कर रही हैं। इसलिए विशेषज्ञ कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक के उपयोग, जल संरक्षण, खाद्य अपव्यय रोकने और आपूर्ति व्यवस्था के आधुनिकीकरण पर विशेष जोर देने की सलाह दे रहे हैं।

जनसंख्या पर चर्चा में एक और महत्वपूर्ण पहलू जन्म दर में आ रहा बदलाव है। देश के कई राज्यों में कुल प्रजनन दर पहले ही प्रतिस्थापन स्तर के आसपास या उससे नीचे पहुंच चुकी है। इसलिए अनेक विशेषज्ञों का मानना है कि वर्तमान समय में "जनसंख्या विस्फोट" की आशंका से अधिक "जनसंख्या प्रबंधन" और मानव संसाधन विकास का मुद्दा महत्वपूर्ण हो गया है। महिला शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, परिवार नियोजन और सामाजिक जागरूकता के माध्यम से जनसंख्या वृद्धि दर को स्वाभाविक रूप से नियंत्रित किया जा सकता है। हालांकि, जनसंख्या नियंत्रण कानून को लेकर बहस अभी भी जारी है। जहां एक पक्ष कड़े कानूनों का समर्थन करता है, वहीं दूसरे पक्ष का मानना है कि दीर्घकालिक रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक विकास ही जनसंख्या को स्थिर करने का सबसे प्रभावी उपाय है। दुनिया के कई देशों का अनुभव भी यही दर्शाता है कि जीवन स्तर में सुधार होने पर जन्म दर सामान्य रूप से कम होने लगती है। कुल मिलाकर, दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश के रूप में भारत के सामने जहां खाद्य, रोजगार और संसाधन प्रबंधन की बड़ी चुनौतियां हैं, वहीं विशाल मानव संसाधन का उपयोग कर विकास के नए अवसर पैदा करने की अपार संभावनाएं भी मौजूद हैं। आने वाले समय में जनसंख्या नियंत्रण की बहस से अधिक, जनसंख्या को एक उत्पादक शक्ति और संपदा में बदलने की रणनीति ही देश के भविष्य को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

(यह लेखक के निजी विचार है)

न्यूज ब्रीफ

चुनाव से पहले पीओके में सियासी बवाल, पाक आर्मी पर आरोप

नई दिल्ली » गिलगित-बाल्टिस्तान में 7 जून को होने वाले चुनाव से पहले पाकिस्तान की राजनीति में नया विवाद खड़ा हो गया है। विपक्षी दलों और स्थानीय संगठनों ने पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर और पाक आर्मी पर चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने के आरोप लगाए हैं। आरोप है कि विपक्षी नेताओं की गतिविधियों पर रोक लगाने के साथ-साथ ऐसे उम्मीदवारों को समर्थन दिया जा रहा है, जिनका संबंध लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े राजनीतिक नेटवर्क से बताया जाता है। रिपोर्ट के अनुसार, खुफिया सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तान आर्मी ने पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग (पीएमएमएल) से जुड़े उम्मीदवारों को समर्थन दिया है।

40 साल बाद बांग्लादेश को मिली वैश्विक जिम्मेदारी

नई दिल्ली » संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 81वें सत्र के लिए बांग्लादेश के वरिष्ठ राजनयिक और विदेश मंत्री डॉ। खलीलुर रहमान को अध्यक्ष चुना गया है। उनका कार्यकाल 2026-27 तक के लिए होगा। न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में हुए मतदान में उन्होंने साइप्रस के उम्मीदवार राजदूत एंड्रियास एस। काकौरिस को करीबी मुकाबले में हराया। 193 सदस्य देशों वाली महासभा में रहमान को 99 वोट मिले, जबकि काकौरिस के पक्ष में 91 देशों ने मतदान किया। तीन सदस्य देशों ने वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया। अध्यक्ष पद के लिए जीत हासिल करने के लिए 96 वोटों की जरूरत थी और रहमान ने यह आंकड़ा पार करते हुए जीत दर्ज की।

मौत के 3 महीने बाद अली खामेनेई की अंतिम विदाई की तैयारी

इमाम रजा दरगाह में किया जाएगा दफन जनाजे में करोड़ों लोग होंगे शामिल

एजेंसी » नई दिल्ली

ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई को अंतिम विदाई देने के लिए व्यापक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। अधिकारियों ने उनके सम्मान में तीन दिनों तक श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित करने और 24 घंटे लंबे जनाजा जुलूस की योजना की घोषणा की है। यह अंतिम विदाई कार्यक्रम उनकी मौत के 3 महीने बाद आयोजित किया जा रहा है। उन्हें मशहद के इमाम रजा दरगाह में दफन किया जाएगा। 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के साझा हमले में उनकी मौत हो गई थी।

ईरान की अर्ध सरकारी न्यूज एजेंसी, तस्मीन न्यूज के अनुसार, तेहरान के सांस्कृतिक और सामाजिक मामलों के उपमहापौर मोहम्मद अमीन तवक्कोलीजादेह ने बताया कि अंतिम विदाई, जनाजा और दफन से जुड़े कार्यक्रमों की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। उन्होंने कहा कि इन आयोजनों में राष्ट्रीय संस्थानों के साथ-साथ देशभर की नगरपालिकाएं भी सहयोग कर रही हैं। उनके मुताबिक, श्रद्धांजलि कार्यक्रमों के लिए तीन दिनों का विशेष कार्यक्रम तैयार किया गया है, जबकि राजधानी तेहरान में कम से कम 24 घंटे तक जनाजा जुलूस निकाले जाने की योजना है।

अधिकारियों के अनुसार, श्रद्धांजलि समारोह के लिए स्थान को लेकर अभी अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। इसके लिए तेहरान के मुसल्ला (ग्रैंड प्रेयर्स हॉल) और इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के संस्थापक इमाम खुमैनी के मकबरे के बीच विचार-विमर्श चल रहा है। प्रशासन का कहना है कि जल्द ही अंतिम स्थल की घोषणा कर दी जाएगी। अमूमन किसी की मौत के बाद तुरंत ही अंतिम संस्कार किया जाता है, लेकिन ईरान जंग की वजह से उनके जनाजे में इतनी देरी हो रही है। अधिकारियों की सिफारिशों के आधार पर अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम विश्राम स्थल के रूप में मशहद स्थित इमाम रजा की पवित्र दरगाह को चुना गया है। बताया गया है कि उत्तर-पूर्वी ईरान के इस धार्मिक शहर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं।

तेहरान के बाद कुम और मशहद ले जाया जाएगा पार्थिव शरीर

तवक्कोलीजादेह ने बताया कि तेहरान में कार्यक्रम समाप्त होने के बाद अयातुल्ला खामेनेई के पार्थिव शरीर को पहले पवित्र शहर कुम ले जाया जाएगा। वहां श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित होने के बाद पार्थिव शरीर को मशहद पहुंचाया जाएगा, जहां अंतिम चरण के आयोजन संपन्न होंगे।

अहमदाबाद में अवैध बांग्लादेशियों पर बड़ी कार्रवाई, 131 गिरफ्तार

नई दिल्ली » अहमदाबाद पुलिस और क्राइम ब्रांच ने बुधवार को चंदोला, गुलाबनगर और खोडियारनगर समेत अहमदाबाद के विभिन्न इलाकों में कथित अवैध बांग्लादेशियों के खिलाफ संयुक्त अभियान चलाया। क्राइम ब्रांच के संयुक्त पुलिस प्रमुख शरद सिंघल के अनुसार कि अहमदाबाद पुलिस और क्राइम ब्रांच ने चंदोला, गुलाबनगर और खोडियारनगर समेत अहमदाबाद के विभिन्न इलाकों में संदिग्ध अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को निशाना बनाते हुए देर रात एक बड़ा तलाशी अभियान चलाया। संयुक्त पुलिस अधिकारी (जेसीपी क्राइम ब्रांच) सिंघल के अनुसार, कुल 290 संदिग्धों को पुलिस हिरासत में लिया गया है और क्राइम ब्रांच उनसे पूछताछ कर रही है। इनमें से 131 लोगों को विभिन्न स्थानों से गिरफ्तार किया गया है, जबकि 160 संदिग्धों से गहन पूछताछ जारी है। संयुक्त पुलिस अधिकारी ने बताया कि 290 से अधिक संदिग्धों को पुलिस हिरासत में लिया गया है और वर्तमान में क्राइम ब्रांच में उनसे पूछताछ की जा रही है।

मोदी सरकार पर बड़ा हमला

ओवैसी बोले- एसआईआर से बनेगा वंचित भारतीयों का वर्ग

एजेंसी » नई दिल्ली

एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को केंद्र सरकार पर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत मतदाता सूचियों से कथित तौर पर बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने का तीखा हमला करते हुए चेतावनी दी कि इस प्रक्रिया से अस्थायी रूप से वंचित भारतीयों का एक वर्ग बन सकता है। एक्स पर एक पोस्ट में, ओवैसी ने आरोप लगाया कि केंद्र ने दस्तावेज़ आधारित सत्यापन प्रक्रिया के माध्यम से 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की मतदाता सूचियों से लगभग 6.5 करोड़ नाम पहले ही हटा दिए हैं। उन्होंने दावा किया कि सरकार अब एक समिति के माध्यम से इस प्रक्रिया को संस्थागत रूप देने की कोशिश कर रही है जो इन नामों को हटाए जाने की जांच करेगी और कथित अवैध प्रवासियों की पहचान करने, उन्हें हिरासत में लेने और निर्वासित करने के लिए एक दीर्घकालिक तंत्र स्थापित करेगी। ओवैसी ने कहा कि केंद्र सरकार ने पहले दस्तावेज़ आधारित एसआईआर (एसआईआर) लागू किया, जिसके तहत 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की मतदाता सूचियों से लगभग 65 लाख नाम हटा दिए गए। अब सरकार चाहती है कि इन्हीं हटाए गए नामों का अध्ययन करने और अवैध प्रवासियों की पहचान, हिरासत और निर्वासन के लिए एक स्थायी व्यवस्था बनाने के लिए एक समिति गठित की जाए।

अमेरिका में 30 भारतीय गिरफ्तार, अवैध रूप से चला रहे थे ट्रक

नई दिल्ली » अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे करीब 30 भारतीयों को गिरफ्तार किया गया है, जो कमर्शियल ट्रक ड्राइवर के तौर पर काम कर रहे थे। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि एरिजोना में चलाए गए 'ऑपरेशन चेकमेट' के दौरान 52 अवैध प्रवासियों को पकड़ा गया, जिनमें 36 लोग ट्रक चलाते मिले। जांच में करीब 30 लोग भारतीय निकले। अधिकारियों का कहना है कि कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद इन्हें जल्द ही भारत वापस भेज दिया जाएगा। गिरफ्तार किए गए इन अवैध ट्रक ड्राइवर में 30 भारत से हैं जबकि बाकी छह मेक्सिको, अल सल्वाडोर और रूस से हैं। उनके पास कैलिफोर्निया, न्यूयॉर्क, वाशिंगटन और वर्जीनिया जैसे राज्यों के कमर्शियल ड्राइवर लाइसेंस थे जबकि कुछ के पास किसी भी तरह का ड्राइवर लाइसेंस नहीं था।

दिल्ली पेंशन योजना में बड़ा बदलाव

अब घर-घर जाकर बॉयोमीट्रिक और आईरिस स्कैन सर्वे होगा

एजेंसी » नई दिल्ली

दिल्ली सरकार वृद्धावस्था और दिव्यांगता पेंशन प्राप्त करने वाले पांच लाख से अधिक लाभार्थियों का घर-घर जाकर बायोमेट्रिक सत्यापन कराएगी। इस पहल का उद्देश्य लाभार्थियों के रिकॉर्ड को अद्यतन करना और यह सुनिश्चित करना है कि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ केवल पात्र व्यक्तियों तक ही पहुंचे। एक अधिकारी ने बताया कि इस प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए संबंधित विभाग ने साझा सेवा केंद्र (सीएससी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने कहा कि सीएससी का दिल्ली में लगभग 6,000 केंद्रों का नेटवर्क है, जो लाभार्थियों के घरों पर जाकर सत्यापन कार्य में विभाग की सहायता करेगा। अधिकारी ने बताया, ''इस अभियान के तहत सर्वेक्षण दल घर-घर जाकर लाभार्थियों की उंगलियों के निशान और आईरिस (नेत्र पुतली) स्कैन कर बायोमेट्रिक सत्यापन करेगा। यह दल लाभार्थियों का फोटो भी खीचेंगा और इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजीकरण के जरिए उनके रिकॉर्ड का अद्यतन करेगा।''

उन्होंने कहा कि सत्यापन अभियान अगले एक महीने के भीतर शुरू होने की उम्मीद है और लगभग पांच महीने में उसके पूरा हो जाने की संभावना है। अधिकारी ने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पेंशन का लाभ केवल पात्र लाभार्थियों को मिले, जिसके लिए लाभार्थियों की पहचान की पुष्टि कर उनके रिकॉर्ड को अद्यतन किया जाएगा।

नेपाली पीएम का बड़बोलापन भारत की जमीन हड़पने का दावा, अब बुरे फंस गए?

नई दिल्ली » सरहद पर खींची गई एक लकीर कभी-कभी सर्दियों तक देशों का पीछा नहीं छोड़ती। भारत और नेपाल की कहानी भी कुछ ऐसी ही है और करीब 200 साल पहले खींची गई एक सीमा रेखा आज भी दोनों देशों के रिश्तों में तनाव पैदा कर देती है। इसी विवाद ने एक बार फिर से सुर्खियां बटोली है। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने संसद में एक ऐसा दावा कर दिया जिसके बाद खुद उनकी सरकार को सफाई देनी पड़ गई। वह भी दुनिया के सामने। बालेन शाह ने यह कहा कि सिर्फ भारत ने ही नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण नहीं किया बल्कि नेपाल ने भी कुछ जगहों पर भारतीय जमीन पर कब्जा किया है। अब जैसे ही इनका यह बयान सामने आया, नेपाल में राजनीतिक हंगामा मच गया।

कैदी संख्या 71 और 1728...

ट्विशा शर्मा मामले में आरोपी पूर्व जज गिरिबाला को मिली नई पहचान

एजेंसी » नई दिल्ली

हाई-प्रोफाइल ट्विशा शर्मा मौत मामले के सिलसिले में 14 दिन की कैद के बाद भोपाल सेंट्रल जेल में पूर्व न्यायाधीश गिरिबाला सिंह और उनके बेटे समर्थ सिंह को कैदी संख्या 71 और 1728 के नाम से जाना जाएगा। सीबीआई की विशेष अदालत ने मंगलवार को पूर्व मॉडल और अभिनेत्री ट्विशा शर्मा की मौत के सिलसिले में उनकी सास गिरिबाला सिंह और उनके पति समर्थ सिंह को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अदालत ने आदेश दिया कि दोनों आरोपियों को 16 जून तक जेल में रखा जाए। जेल अधिकारियों के अनुसार, गिरिबाला सिंह को कैदी संख्या 71 और समर्थ सिंह को कैदी संख्या 1782 दी गई है। सेवानिवृत्त न्यायाधीश होने और सुरक्षा कारणों से गिरिबाला सिंह को महिला बैरक में निगरानी में रखा गया है। समर्थ सिंह को बैरक संख्या 4 के ब्लॉक बी में निगरानी में रखा गया है। गिरिबाला सिंह को चार अन्य महिला कैदियों के साथ महिला बैरक के चिकित्सा अनुभाग में रखा गया है। जेल रिकॉर्ड में उनका प्रवेश क्रमांक 71 दर्ज है। समर्थ सिंह को भोपाल केंद्रीय जेल के बैरक नंबर 4 के बी सेक्शन में रखा गया है, जहां उन्हें 15 अन्य कैदियों के साथ रखा गया है। जेल अधिकारियों ने जेल नियमों के अनुसार दोनों आरोपियों को थाली, कटोरा और कंबल सहित जेल द्वारा जारी की जाने वाली मानक वस्तुएं उपलब्ध कराई हैं।

स्पोर्ट्स ब्रीफ

ज़ी एंटरटेनमेंटका ने जियो को पीछे छोड़ हासिल किए फीफा के प्रसारण अधिकार

नई दिल्ली » फुटबॉल प्रेमियों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। कई महीनों से चल रही अनिश्चितता के बाद आखिरकार भारत में फीफा विश्व कप 2026 के प्रसारण का रास्ता साफ हो गया है। ज़ी एंटरटेनमेंट ने घोषणा की है कि उसने फीफा विश्व कप 2026 सहित वर्ष 2034 तक होने वाले 39 प्रमुख फीफा आयोजनों के प्रसारण अधिकार हासिल कर लिए हैं। बता दें कि फीफा विश्व कप 2026 का आयोजन 11 जून से संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में शुरू होने जा रहा है। टूर्नामेंट की शुरुआत में अब केवल कुछ ही दिन शेष हैं और ऐसे समय में यह समझौता भारतीय दर्शकों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है।

तमिलनाडु की कमाली मूर्ति बनीं 'लहरों की रानी'

नई दिल्ली » आगामी एशियाई खेलों के लिए भारत का सर्फिंग कोटा हासिल करने वाली तमिलनाडु की प्रतिभाशाली किशोरी कमाली मूर्ति ने रविवार को यहां आयोजित सातवें एनएमपीए इंडियन ओपन ऑफ सर्फिंग के फाइनल में महिला ओपन और सर्फिंग जूनियर अंडर-18 बालिका दोनों खिताब जीतकर दोहरी सफलता हासिल की। यह चैंपियनशिप राष्ट्रीय सर्फिंग कैलेंडर के प्रमुख आयोजनों में से एक है और इस वर्ष के अंत में जापान में होने वाले एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम के चयन में इसकी अहम भूमिका होगी।

दिव्यांशी भौमिक ने रचा स्वर्णिम इतिहास

डब्ल्यूटीटी फीडर में दो स्वर्ण पदक जीतने वाली सबसे युवा भारतीय

एजेंसी » नई दिल्ली

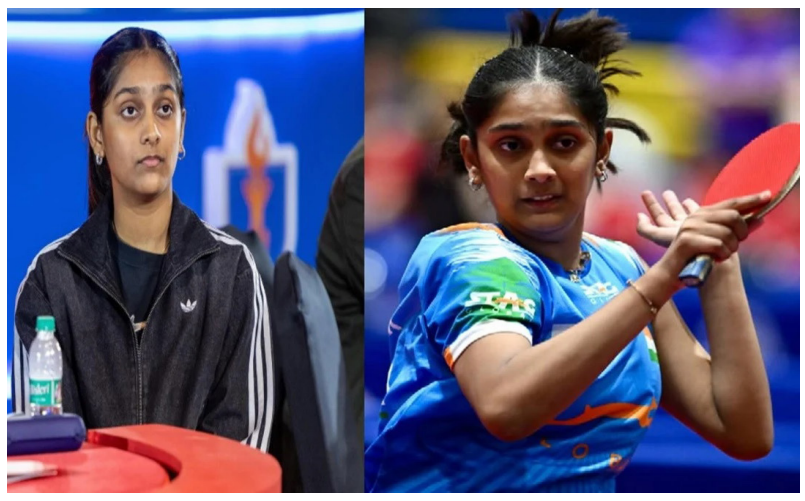

उभरती हुई खिलाड़ी 15 वर्षीय दिव्यांशी भौमिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए डब्ल्यूटीटी फीडर महिला एकल खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। वह इस उपलब्धि हासिल करने वाली भारत की सबसे कम उम्र की महिला खिलाड़ी बन गई हैं। विश्व रैंकिंग में 211वें स्थान पर काबिज दिव्यांशी ने फाइनल में चीनी ताइपे की विश्व नंबर 38 येह यी-तियान को रोमांचक मुकाबले में 3-2 (8-11, 11-8, 11-5, 7-11, 11-7) से पराजित किया। भारतीय खिलाड़ी ने पहला गेम गंवाने के बाद जबरदस्त वापसी करते हुए अद्भुत संयम, जुझारूपन और आत्मविश्वास का परिचय दिया तथा यादगार जीत दर्ज की।

इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने सीनियर अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी दमदार मौजूदगी का अहसास कराया। दिव्यांशी की यह उपलब्धि केवल भारतीय टेबल टेनिस के लिए ही ऐतिहासिक नहीं है, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी उन्हें विशिष्ट स्थान दिलाती है। मात्र 15 वर्ष की आयु में वह जापान की स्टार खिलाड़ी मिवा हारिमोटो के बाद डब्ल्यूटीटी फीडर सर्किट में महिला एकल खिताब जीतने वाली दुनिया की दूसरी सबसे युवा खिलाड़ी मानी जा रही हैं। प्रिस्टीना में आयोजित प्रतियोगिता के दौरान दिव्यांशी ने पूरे सप्ताह अपने खेल से प्रभावित किया। उन्होंने अपने से अधिक अनुभवी और ऊंची रैंकिंग वाली खिलाड़ियों को बेखौफ आक्रामक खेल तथा अटूट आत्मविश्वास के दम पर मात दी। उनकी परिपक्वता उम्र से कहीं अधिक दिखाई दी। दिव्यांशी ने अपने शानदार अभियान में एक और स्वर्णिम उपलब्धि जोड़ते हुए महिला युगल वर्ग का स्वर्ण पदक भी जीता।

उन्होंने साथी भारतीय किशोर खिलाड़ी सिंड्रेला दास के साथ मिलकर जापान की साची आओकी और कोकोना मुरामात्सु की जोड़ी को रोमांचक फाइनल में 3-2 (7-11, 14-12, 12-14, 11-8, 11-7) से हराया। करीब आधे घंटे तक चले इस संघर्षपूर्ण मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने पहला गेम गंवाने के बावजूद शानदार वापसी की। निर्णायक क्षणों में दबाव के बीच उनका धैर्य और दृढ़ता देखने लायक रही, जिसने भारत की इस उभरती हुई जोड़ी की बढ़ती परिपक्वता और उज्ज्वल भविष्य की झलक पेश की।

44 की उम्र में विलियम्स की वापसी, क्या विंबलडन-ग्रैंड स्लैम है अगला लक्ष्य?

नई दिल्ली » यूएस ओपन 2022 में अपना आखिरी पेशेवर एकल मैच खेलने के लगभग चार साल बाद, टेनिस की दिग्गज खिलाड़ी सेरेना विलियम्स ने उस खेल में वापसी की घोषणा की है जिस पर उन्होंने लगभग दो दशकों तक अपना दबदबा बनाए रखा है। विलियम्स के नाम ओपन युग में महिला एकल ग्रैंड स्लैम में सबसे अधिक खिताब जीतने का रिकॉर्ड है, उन्होंने अपने शानदार करियर में 23 खिताब जीते हैं। हालांकि उन्होंने कभी आधिकारिक तौर पर खेल से संन्यास नहीं लिया था।

उन्होंने संकेत दिया था कि यूएस ओपन 2022 उनका आखिरी टूर्नामेंट हो सकता है, यह कहते हुए कि वह प्रतियोगिता की दैनिक भागदौड़ से दूर विकसित होना चाहती हैं और उन्होंने निरंतरता शब्द का प्रयोग नहीं किया था। दो बेटियों की मां, 44 वर्षीय विलियम्स को उस वर्ष फ्लशिंग मीडोज में तीसरे दौर में हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन अब वह क्वींस क्लब में वापसी कर रही हैं।

क्लासिकल में लगातार दूसरी जीत

शतरंज के 'बादशाह' कार्लसन पर भारी पड़े ग्रैंडमास्टर प्रज्ञाननंदा

एजेंसी » नई दिल्ली

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा ने फिर से कहा कि उन्हें दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन का सामना करने से डर नहीं लगता बल्कि इससे वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित होते हैं। प्रज्ञाननंदा ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में लगातार दूसरी बार क्लासिकल बाजी में कार्लसन को हराया। यह उनकी नार्वे के खिलाड़ी के खिलाफ क्लासिकल वर्ग में तीसरी जीत है।

प्रज्ञाननंदा ने मैच के बाद कहा,''उन्हें किसी भी प्रारूप में हराकर अच्छा लगता है लेकिन सबसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट के इस चरण में जीत हासिल करनी है और वह भी क्लासिकल प्रारूप में, जिससे आपको पूरे तीन अंक मिलते हैं।'' भारतीय खिलाड़ी की यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उन्होंने इसे काले मोहरों से खेलते हुए हासिल किया। इससे पहले उन्होंने सफेद मोहरों से खेलते हुए भी कार्लसन को हराया था।

प्रज्ञाननंदा ने कहा, ''मैं यह नहीं कहूंगा कि मुझे उनका सामना करने में डर लगता है। इसके विपरीत मुझे उनका सामना करने में मजा आता है। इससे मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरणा मिलती है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि उनकी मौजूदगी मुझ पर किसी तरह का प्रभाव डालती है। हमने कई बार एक दूसरे को कड़ी चुनौती दी है और मुझे उनके खिलाफ खेलना पसंद है। वह कड़ी चुनौती पेश करता है।

इंडोनेशिया ओपन में पीवी सिंधु का शंखनाद, किदांबी श्रीकांत पहले दौर में ही बाहर

एजेंसी » नई दिल्ली

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने कुछ विषम पलों से गुजरने के बावजूद मंगलवार को यहां सीधे गेम में जीत हासिल करके इंडोनेशिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया, लेकिन किदांबी श्रीकांत पहले दौर की बाधा पार करने में नाकाम रहे। सिंधु ने इस सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के मैच में थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान को 51 मिनट में 25-23, 21-16 से पराजित किया। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु ने शुरू से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्हें पहले गेम में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा लेकिन उन्होंने शुरू से लेकर आखिर तक अपनी लय बरकरार रखी और सीधे गेम में जीत दर्ज की। गैर-वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी सिंधु का सामना दूसरे दौर में मौजूदा ओलंपिक चैंपियन और विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आन से-यंग से हो सकता है जिन्होंने उन्हें पिछले सप्ताह सिंगापुर ओपन के क्वार्टर फाइनल में हराया था। आन के खिलाफ भारतीय खिलाड़ी का रिकॉर्ड अच्छा नहीं है। इन दोनों खिलाड़ियों के बीच अभी तक जो नौ मैच खेले गए हैं उन सभी में सिंधु को हार का सामना करना पड़ा।

श्रीकांत पुरुष एकल के पहले दौर में जापान के युशी तनाका से 19-21, 15-21 से हारने के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गए। महिला वर्ग में मालविका बंसोड भी पहले दौर में ही टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। उन्हें थाईलैंड की सातवीं वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग ने आसानी से 21-12, 21-10 से हराया।

नोवाक जोकोविच फ्रेंच ओपन से बाहर, क्या फिर दिखेंगे रोलैंड गारोस में?

नई दिल्ली » नोवाक जोकोविच को फ्रेंच ओपन 2026 के तीसरे दौर में ब्राजील के जोआओ फोन्सेका ने चौंका दिया। सर्बियाई खिलाड़ी को मैराथन गेम में 4-6, 4-6, 6-3, 7-5, 7-5 से हार का सामना करना पड़ा। जोकोविच अपने 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब की तलाश में थे; हालांकि, उनका इंतजार लंबा खिंच गया क्योंकि 2009 के बाद से रोलैंड गैरोस से यह उनका सबसे जल्दी बाहर होना था। पेरिस में अपने भविष्य के बारे में पूछे जाने पर जोकोविच अनिश्चित थे।

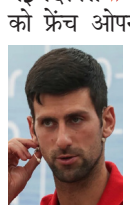

आर्यना सबलेंका ने दिखाया दम, नाओमी ओसाका को सीधे सेटों में हराकर फ्रेंच ओपन से किया बाहर

एजेंसी » नई दिल्ली

पेरिस में चल रहे फ्रेंच ओपन 2026 में सोमवार की रात टेनिस प्रेमियों को एक शानदार मुकाबला देखने को मिला। विश्व नंबर एक आर्यना सबालेंका और चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता नाओमी ओसाका के बीच खेले गए मुकाबले को टूर्नामेंट के सबसे बड़े मैचों में से एक माना जा रहा था। खास बात यह रही कि पिछले तीन वर्षों में पहली बार महिला वर्ग का कोई मुकाबला रात्रि सत्र में खेला गया था।

मौजूद जानकारी के अनुसार, इस बहुप्रतीक्षित मुकाबले में आर्यना सबालेंका ने नाओमी ओसाका को 7-5 और 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। इस जीत के साथ सबालेंका लगातार 14वें ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रही हैं, जो उनकी निरंतरता और शानदार प्रदर्शन को दर्शाता है। मुकाबले की शुरुआत हालांकि सबालेंका के लिए आसान नहीं रही थी। नाओमी ओसाका ने शुरुआती दो गेम जीतकर बढ़त बना ली थी। शुरुआती चरण में सबालेंका कई गलतियां करती नजर आईं और एक दोहरी गलती के कारण उन्होंने अपना सर्विस गेम भी गंवा दिया था। लेकिन इसके बाद विश्व नंबर एक खिलाड़ी ने जबरदस्त वापसी की।

गौरतलब है कि शुरुआती झटके के बाद सबालेंका ने अपने खेल की गति पूरी तरह बदल दी। उन्होंने आक्रामक फोरहैंड शॉट्स की मदद से तुरंत बराबरी हासिल की और फिर पूरे मुकाबले में अपनी सर्विस पर लगभग अजेय दिखाई दीं। मैच के दौरान उन्होंने 12 ऐस लगाए और पहली सर्विस पर 83 प्रतिशत अंक अपने नाम किए। यह इस टूर्नामेंट में उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ सर्विस प्रदर्शन माना जा रहा है।

नया प्रोजेक्ट

माधुरी बोलीं- हमने पूरी मेहनत की थी

सालों बाद 'कलंक' के फ्लॉप होने पर छलका माधुरी दीक्षित का दर्द

वरुण धवन, आलिया भट्ट, माधुरी दीक्षित, संजय दत्त, सोनाक्षी सिन्हा और आदित्य रॉय कपूर जैसे बड़े सितारों से सजी फिल्म 'कलंक' रिलीज से पहले काफी चर्चा में रही थी। बड़े बजट में बनी इस फिल्म के भव्य सेट्स, शानदार गानों और दमदार स्टारकास्ट ने दर्शकों के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट पैदा कर दी थी। हालांकि, सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद यह फिल्म लोगों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी और बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई। अब फिल्म की रिलीज के कई साल बाद माधुरी दीक्षित ने इसकी असफलता पर खुलकर बात की है और अपनी प्रतिक्रिया दी है।

» **'फिल्म का हिट या फ्लॉप होना हमारे हाथ में नहीं'...** एक इंटरव्यू में माधुरी दीक्षित ने कहा कि एक कलाकार और पूरी टीम किसी भी फिल्म के लिए अपना बेस्ट देती है, लेकिन उसका हिट या फ्लॉप होना हमेशा उनके कंट्रोल में नहीं होता। उनके मुताबिक, कई बार फिल्म के न चलने के पीछे ऐसी वजहें होती हैं, जिन पर कलाकारों का कोई बस नहीं होता।

» **वरुण धवन को लगा था बड़ा झटका...** माधुरी दीक्षित से पहले वरुण धवन भी 'कलंक' की असफलता पर खुलकर बात कर चुके हैं। एक्टर ने बताया था कि फिल्म के फ्लॉप होने से उन्हें काफी झटका लगा था।उन्होंने कहा कि पूरी टीम ने फिल्म पर बहुत मेहनत की थी, इसलिए जब यह नहीं चली तो उन्हें समझ नहीं आया कि आखिर गलती कहां हुई।

» **डेविड धवन ने भी किया था जिक्र...** वरुण धवन के पिता और मशहूर निर्देशक डेविड धवन ने भी फिल्म के प्रदर्शन को लेकर अपनी निराशा जाहिर की थी। उन्होंने कहा था कि 'कलंक' एक बहुत बड़ी फिल्म थी और इसकी असफलता ने सभी को हैरान कर दिया था। डेविड ने मजाकिया अंदाज में यह भी बताया था कि उन्होंने संजय दत्त से पूछा था कि क्या उन्होंने यह फिल्म सिर्फ माधुरी दीक्षित की वजह से की थी।

» **पहले श्रीदेवी निभाने वाली थीं यह किरदार...** फिल्म में बहार बेगम का किरदार पहले दिवंगत एक्ट्रेस श्रीदेवी निभाने वाली थीं। हालांकि, साल 2018 में उनके निधन के बाद यह भूमिका माधुरी दीक्षित को दी गई। फिल्म में माधुरी के अभिनय को दर्शकों ने काफी पसंद भी किया था।

कॉन्ट्रैक्ट से छुटकारा पाने के लिए शिल्पा शिंदे ने प्रोड्यूसर पर लगाया था झूठा उत्पीड़न का आरोप

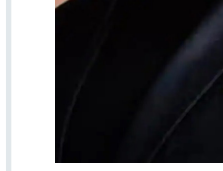

घर-घर में 'अंगूरी भाभी' के नाम से मशहूर एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे ने हाल ही में एक ऐसा खुलासा किया है, जिसने सभी को चौंका दिया है। कॉमेडियन भारती सिंह और हर्ष लिम्बाचिया के साथ बातचीत में शिल्पा ने दावा किया कि करीब 10 साल पहले उन्होंने 'भाबीजी घर पर हैं' के प्रोड्यूसर संजय कोहली के खिलाफ जो यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज कराया था, वह झूठा था। उनके इस बयान के बाद एक बार फिर पुराना विवाद चर्चा में आ गया है। साल 2016 में शिल्पा शिंदे ने पॉपुलर टीवी शो 'भाबीजी घर पर हैं!' छोड़ दिया था। उस समय उन्होंने शो के प्रोड्यूसर्स पर हैरेसमेंट, समय पर पेमेंट न देने और सेट पर खराब माहौल बनाने जैसे आरोप लगाए थे। यह मामला उस वक्त काफी चर्चा में रहा था। हालांकि, बाद में दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया था।

300 करोड़ क्लब के करीब पहुंची फिल्म

19वें दिन भी 'करुप्पु' ने की करोड़ों की कमाई...

तमिल सिनेमा के एक्टर सूर्या और खूबसूरत एक्ट्रेस तृषा कृष्णन की नई फिल्म 'करुप्पु' को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। यह फिल्म 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म ने रिलीज के साथ ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था, हालांकि रिलीज के दूसरे और तीसरे हफ्ते में इसकी कमाई कम हुई है, लेकिन इसके बावजूद फिल्म मजबूती से थिएटर्स में टिकी हुई है। फिल्म की शानदार कहानी और दमदार एक्टिंग के कारण यह बॉक्स ऑफिस पर लगातार नए रिकॉर्ड बना रही है।

19वें दिन इतनी हुई कमाई

रिपोर्ट के अनुसार 19वें दिन यानी मंगलवार को 3,003 शोज के जरिए 21.35 करोड़ रुपये जोड़े है। इसी के साथ भारत में फिल्म का कुल ग्रॉस कलेक्शन 216.10 करोड़ रुपये और टोटल कलेक्शन 186.90 करोड़ रुपये हो गया है। वहीं दुनिया भर में कुल कमाई 294.85 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

» **जानें पिछला कमाई...** फिल्म के पहले हफ्ते में दर्शकों के बीच भारी दीवानगी देखी गई, जिसकी बदौलत इसने 113.85 करोड़ रुपये का बड़ा कलेक्शन किया। दूसरे हफ्ते में फिल्म ने 54.30 करोड़ रुपये बटोरे। अपने तीसरे हफ्ते में फिल्म ने तीसरे शुक्रवार को 3.74 करोड़ रुपये, शनिवार को 5.92 करोड़ रुपये और रविवार को 6.79 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की। इसके बाद सोमवार को 2.76 करोड़ रुपये का कलेक्शन हुआ है।

फिल्म की कहानी और स्टारकास्ट... इस फिल्म में सुपरस्टार सूर्या ने करुप्पुसामी का मुख्य किरदार निभाया है। फिल्म के डायरेक्टर आरजे बालाजी खुद इस फिल्म में विलेन (एडवोकेट बेबी कन्नन) के रूप में नजर आ रहे हैं। फिल्म का अंत में हिंट दिया गया है कि करुप्पुसामी की लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। कोर्ट और कानून की कमियों से निपटने के बाद, अब कहानी के अगले हिस्से में राजनीतिक दुनिया की एक नई लड़ाई देखने को मिल सकती है। मुख्य कलाकारों के अलावा इस फिल्म में शिवादा, इंद्रंस, अनघा माया रवि और स्वासिका ने भी बेहतरीन काम किया है।

फिल्म 'भारत भाग्य विधाता'

कंगना ने नर्स का किरदार निभाने के लिए छोड़ा कम्फर्ट जोन

बॉलीवुड एक्ट्रेस और सांसद कंगना रनौत की आगामी फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में कंगना ने अपने किरदार को लेकर कई दिलचस्प बातें शेयर कीं। उन्होंने बताया कि इस फिल्म में एक नर्स की भूमिका निभाने के लिए उन्हें फिल्मी दुनिया से कुछ दूरी बनानी पड़ी, ताकि वह किरदार की भावनाओं और संघर्ष को बेहतर तरीके से समझ सकें।

» **किरदार में ढलने के लिए कंगना ने बनाई फिल्मी दुनिया से दूरी...** ट्रेलर लॉन्च के दौरान कंगना रनौत ने कहा, "हम लोग अक्सर अपनी ही दुनिया में खो जाते हैं और असली जिंदगी से दूर हो जाते हैं। जब मैंने इस किरदार को समझना शुरू किया तो महसूस हुआ कि मुझे फिल्म इंडस्ट्री से थोड़ा दूर रहना होगा। पिछले कुछ सालों में राजनीति में आने के बाद मुझे आम लोगों से मिलने और उनकी जिंदगी को करीब से देखने का मौका मिला। अगर मैं ऐसा नहीं करती तो इस किरदार को सही तरीके से निभा नहीं पाती।" उन्होंने आगे कहा, "सिर्फ जिम जाना, फिटनेस का ध्यान रखना और आरामदायक जिंदगी जीना ही सब कुछ नहीं होता। असली जिंदगी में लोग कितनी मेहनत और संघर्ष करते हैं, यह समझना बहुत जरूरी है।

क्योंकि सास भी कभी बहू थी-2

याददाश्त लौटते ही नियती को याद आया अतीत का राज

पॉपुलर शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' में दर्शकों को एक पर एक ट्विस्ट देखने को मिलेंगे। स्मृति ईरानी स्टारर इस शो में आज कहानी पलटने वाली है। अपनी याददाश्त वापस आते ही नियती सालों से छिपे सच को जानकर फूट-फूटकर रोएगी। वह तुलसी विरानी को अपने बेटे अंश की मौत का जिम्मेदार ठहराएगी, जिससे विरानी परिवार में बड़ा तूफान आएगा। दूसरी तरफ रियो भी बिजनेस हथियाने की तैयारी में लगा है।

» **नियती को याद आया अतीत...** शो में दिखाया जाएगा कि नियती को विदेश के वो दिन याद आ जाते हैं जब वह अंश के करीब आई थी। उसे याद आता है कि प्रेग्नेंट होने के बाद अंश इंडिया लौट गया था और उसने शादी का वादा किया था, लेकिन यहां उसकी मौत हो गई। नियती रोएगी कि वह अब तक करण को पति मानकर झूठी जिंदगी जी रही थी। जब वह करण पर नाराज होगी, तो रियो उसका बचाव करेगा। रियो कहेगा कि करण सिर्फ हमारी रक्षा कर रहे थे और असली गलती तो दादी का है।

» **तुलसी विरानी पर भड़की नियती...** तुलसी जब नियती और रियो के पास पहुंचती है, तो रियो उन्हें वहां से जाने के लिए कहता है। इस पर तुलसी कहती है कि मुसीबत में अपने ही काम आते हैं। यह सुनकर नियती भड़क जाती है और ताना मारती है कि 'हां, वो अपने जो अपने ही बेटे को गोली मार देते हैं।'

निर्देशक खोला राज, राम चरण को लेकर कह दी ये बात

...क्या जूनियर एनटीआर के लिए लिखी गई थी पेड्डी

'उप्पेना' जैसी सुपरहिट फिल्म बनाने वाले बुच्ची बाबू सना अब अपनी दूसरी फिल्म 'पेड्डी' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में राम चरण और जाह्नवी कपूर मेन लीड में नजर आने वाले हैं। रिलीज से पहले निर्देशक लगातार प्रमोशनल इवेंट्स में फिल्म को लेकर खुलकर बात कर रहे हैं। एक इवेंट में बुच्ची बाबू सना ने उन रूमर्स पर रिएक्ट किया, जिनमें दावा किया जा रहा था कि 'पेड्डी' पहले जूनियर एनटीआर के लिए लिखी गई थी और बाद में राम चरण को कास्ट किया गया।

» **क्या जूनियर एनटीआर के लिए लिखी गई थी पेड्डी...** निर्देशक ने जूनियर एनटीआर वाली खबरों को पूरी तरह गलत बताया। उन्होंने साफ कहा कि 'पेड्डी' की कहानी शुरू से ही राम चरण को ध्यान में रखकर तैयार की गई थी। उनके अनुसार, जिस एनटीआर प्रोजेक्ट की चर्चा पहले हुई थी, वह एक अलग कहानी थी और उसका 'पेड्डी' से कोई संबंध नहीं था।

» **राम चरण की मेहनत की निर्देशक ने की तारीफ...** निर्देशक ने राम चरण की मेहनत की जमकर तारीफ की। उन्होंने बताया कि इस किरदार को पर्दे पर जीवंत बनाने के लिए अभिनेता ने कई महीनों तक रेसलिंग की ट्रेनिंग ली। फिल्म की कहानी हीरो के जीवन के तीन अलग-अलग फेज को दिखाती है और हर फेज के लिए अलग लुक और बॉडी लैंग्वेज तैयार की गई थी।

» **रामचरण ने चोटिल होने के बाद भी शूटिंग की....** शूटिंग के दौरान आई चुनौतियों का जिक्र करते हुए बुच्ची बाबू ने बताया कि कई एक्शन और रेसलिंग सीक्वेंस फिल्माते समय राम चरण को चोटें भी लगीं। एक बार उनकी आंख में चोट लगने से सेट पर मौजूद टीम परेशान हो गए थे। हालांकि अभिनेता ने काम रोकने के बजाय शूटिंग जारी रखी और पूरे समर्पण के साथ अपने हिस्से का काम पूरा किया। फिल्म में राम चरण और जाह्नवी कपूर के अलावा शिवराजकुमार, जगपति बाबू, दिव्येंदु और बोमन ईरानी भी हैं।। यह फिल्म 4 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

बॉलीवुड न्यूज

धर्मेंद्र की बायोपिक पर बोले बॉबी- न मैं, न भाई निभा सकते उनका रोल

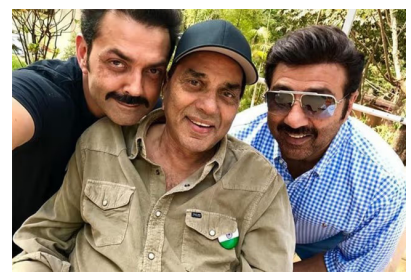

» बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के जीवन पर अगर कभी बायोपिक बनाई जाए, तो उन्हें कौन निभा सकता है? इस सवाल पर उनके बेटे बॉबी देओल ने बेहद साफ और इमोशनल जवाब दिया। उन्होंने कहा कि उनके पिता की पर्सनैलिटी इतनी खास है कि उन्हें कोई भी एक्टर पूरी तरह से स्क्रीन पर नहीं उतार सकता। आप की अदालत में बॉबी देओल ने कहा कि धर्मेंद्र सिर्फ एक बड़े सुपरस्टार नहीं हैं, बल्कि एक बहुत ही अलग और खास इंसान हैं, जिनकी पर्सनैलिटी को पूरी तरह से समझना और उसे स्क्रीन पर उतारना बहुत मुश्किल काम है।

उन्होंने आगे साफ कहा कि चाहे वह खुद हों या उनके भाई सनी देओल, कोई भी धर्मेंद्र की जगह नहीं ले सकता और न ही उनकी असली भावनाओं और जिंदगी को पूरी तरह से निभा सकता है। बॉबी के मुताबिक धर्मेंद्र की पर्सनैलिटी इतनी बड़ी और अनोखी है कि उसे स्क्रीन पर उतारना लगभग नामुमकिन है। इंटरव्यू के दौरान बॉबी देओल काफी इमोशनल हो गए। उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र उनके लिए सिर्फ एक पिता नहीं, बल्कि एक इंस्पिरेशन हैं। उन्होंने बताया कि लोग उन्हें फिल्मों में देखते हैं, लेकिन असल जिंदगी में वह उससे भी कहीं ज्यादा बड़े दिल वाले इंसान हैं।

'कॉकटेल 2' में दिखेगी कृति सेनन और रश्मिका मंदाना के बीच लव स्टोरी?

» फिल्म 'कॉकटेल 2' की अनाउंसमेंट के बाद से ही इसे लेकर कई तरह की बातें हो रही हैं। खासकर कृति सेनन और रश्मिका मंदाना के किरदारों को लेकर सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि फिल्म में दोनों एक्ट्रेसेस एक लेस्बियन कपल के रूप में नजर आएंगी। अब इस पर पहली बार कृति सेनन ने खुलकर बात की है।

2 जून को 'कॉकटेल 2' के ट्रेलर लॉन्च के दौरान कृति सेनन ने इन अफवाहों को गलत बताया। उन्होंने कहा कि लोगों को यह मानने में दिक्कत होती है कि दो लड़कियां सिर्फ अच्छी दोस्त भी हो सकती हैं। कृति ने कहा कि जब दो लड़के साथ होते हैं तो लोग उसे 'ब्रोमांस' कहते हैं, लेकिन जब दो लड़कियां साथ दिखती हैं तो लोग या तो उनके बीच लड़ाई ढूंढने लगते हैं या फिर किसी रोमांटिक रिश्ते की बात करने लगते हैं। फिल्म के डायरेक्टर होमी अदजानिया बताया कि शायद ये अफवाहें कृति सनोन और रश्मिका मंदाना की असल जिंदगी की दोस्ती की वजह से शुरू हुईं। उन्होंने मजाक में कहा कि दोनों सेट पर काफी अच्छे दोस्त हैं और हमेशा साथ नजर आती हैं। इसी वजह से लोगों ने अलग-अलग कहानियां बनानी शुरू कर दीं।

मंदार चांदवडकर नहीं थे 'भिड़े' के लिए पहली पसंद

» छोटे पर्दे का लोकप्रिय कॉमेडी शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' पिछले कई वर्षों से दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है। शो का हर किरदार अपनी अलग पहचान रखता है, लेकिन गोकुलधाम सोसायटी के एकमात्र सेक्रेटरी आत्माराम तुकाराम भिड़े की बात ही कुछ और है। इस किरदार को अभिनेता मंदार चांदवडकर ने इतने शानदार अंदाज में निभाया है कि आज दर्शक उन्हें 'भिड़े' के नाम से ही पहचानते हैं।

हाल ही में एक इंटरव्यू में मंदार चांदवडकर ने खुलासा किया कि वह इस किरदार के लिए मेकर्स की पहली पसंद नहीं थे। उन्होंने बताया कि शो की कास्टिंग के दौरान सबसे पहले मराठी इंडस्ट्री के चर्चित अभिनेता पुष्कर श्रोत्री को आत्माराम भिड़े का रोल ऑफर किया गया था। हालांकि, कुछ कारणों की वजह से उन्होंने इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने से इनकार कर दिया। पुष्कर श्रोत्री के मना करने के बाद निर्माताओं ने अभिनेता शैलेश दातार से संपर्क किया। उस समय शैलेश अपने अन्य प्रोजेक्ट्स में काफी व्यस्त थे और उनके पास शो के लिए पर्याप्त समय नहीं था। डेट्स की समस्या के चलते वह भी इस किरदार को नहीं निभा सके। इसके बाद यह रोल मंदार चांदवडकर के पास पहुंचा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कलासो देवी के द्वारा सूचना प्रिंटर, 33 एस मॉडल टाउन मार्केट हिसार, हरियाणा से मुद्रित करवाकर बाला जी सेनेटरी स्टोर, करनाल रोड, डिफेंस कॉलोनी, गली नंबर-8, रिलायंस स्मार्ट पॉइंट के पास, कैथल से प्रकाशित। संपादक कलासो देवी। किसी भी विवाद के लिए न्याय क्षेत्र कैथल होगा। RNI No. HRHIN/26/A1127, मोबाइल नंबर: 9499422208, Email: Info@hindustanekta.com